अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : द्वितीय – जैन धर्म प्रवेशिका (परीक्षा 24 जुलाई, 2016)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) संसार के समस्त मंगलों में सर्वश्रेष्ठ मंगल करने वाला मंत्र है-

(क) भक्तामर स्तोत्र (ख) नवकार मंत्र

(ग) गुरुवंदन सूत्र (घ) तीर्थंकर स्तुति सूत्र ( )

(b) गमनागमन के दोषों का शोधन करने वाला पाठ है-

(क) आत्मशुद्धि सूत्र (ख) लोगस्स सूत्र

(ग) ईर्यापथिकी सूत्र (घ) कायोत्सर्ग शुद्धि सूत्र ( )

(c) 'वायनिसग्गेणं' का अर्थ है -

(क) अधोवायु निकलने से (ख) चक्कर आने से

(ग) श्वास छोड़ने से (घ) मूर्च्छा आने से ( )

(d) घ्राणेन्द्रिय के विकार हैं -

(क) 60 (ख) 12

(ग) 96 (घ) 84 ( )

(e) सामायिक लेने का पाठ है -

(क) करेमि भंते (ख) इच्छाकारेणं

(ग) लोगस्स (घ) एयस्स नवमस्स ( )

(f) अंक 21 के भंग हैं -

(क) 3 (ख) 9

(ग) 49 (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(g) जीव तत्त्व के भेद हैं-

(क) 14 (ख) 16

(ग) 18 (घ) 20 ( )

(h) भगवान पार्श्वनाथ ने कितने पुरूषों के साथ दीक्षा ग्रहण की -

(क) 300 (ख) 200

(ग) 1000 (घ) 500 ( )

(I) 'ओम शान्ति शान्ति' प्रार्थना के रचयिता हैं -

(क) आचार्य हीरा (ख) आचार्य हस्ती

(ग) उपाध्याय मान (घ) गौतम मुनि ( )

(j) ज्ञान प्राप्ति का बाधक कारण है -

(क) आलस्य (ख) अभ्यास

(ग) पुनरावृत्ति (घ) विनयशीलता ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) प्राकृत भाषा में नमस्कार मंत्र को णमोक्कार मंत्र कहते हैं। ( )

(b) कायोत्सर्ग मन-वचन-काया को एकाग्र रखकर किया जाता है। ( )

(c) सुविधिनाथ जी का दूसरा नाम पुष्पदंत जी है। ( )

(d) समभाव की साधना को प्रतिक्रमण कहते हैं। ( )

(e) झूठा कलंक लगाना अभ्याख्यान है। ( )

(f) बंध तत्त्व के 5 भेद होते हैं। ( )

(g) लेश्या 4 होती हैं। ( )

(h) ग्यारहवां बोल गुणस्थान चौदह का है। ( )

(i) भगवान पार्श्वनाथ का समय महावीर स्वामी से दो सौ पचास वर्ष पहले माना गया है। ( )

(j) 'जरा कर्म देखकर करिये' प्रार्थना में कर्मों की बहुत बुरी मार बताई गई है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मुझमें परमात्मा बनने की शक्ति विद्यमान है। .....

(b) मुझमें दो देव पद व तीन गुरु पद हैं। .....

(c) मुझमें पांच प्रकार के जीवों की विराधना का उल्लेख है। .....

(d) मेरे द्वारा सामायिक ग्रहण करने की प्रतिज्ञा की जाती है। .....

(e) मुझमें दस प्रकार की विराधना बतलाई गई है। .....

(f) मैं तीसरा भवनपति देव हूँ। .....

(g) मेरे 12 भेद हैं। .....

(h) मैं तीसरा गुणस्थान हूँ। .....

(i) मैंने कमठ तापस की धूनी में लक्कड़ में जलते हुए नाग को बचाया। .....

(j) मेरे द्वारा 'जरा कर्म देखकर करिये' प्रार्थना की रचना की गई। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए **14x2 = (28)**

(a) विहरमान किसे कहते है?

.....

.....

(b) नवकार मंत्र में कितने पद व अक्षर हैं?

.....

.....

(c) उपाध्याय किसे कहते हैं?

.....

.....

(d) **वन्दन करने से किस गुण की प्राप्ति होती है?**

.....

.....

(e) **लोगस्स के पाठ का क्या प्रयोजन है?**

.....

.....

(f) **'सावज्जं जोगं' का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(g) **चंदेसु निम्मलयरा, आइच्चेसु अहियं पयासयरा का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(h) **मोक्ष तत्त्व के चार भेद लिखिए।**

.....

.....

(I) **छः द्रव्यों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(j) **छः पर्याप्ति के नाम लिखिए।**

.....

.....

(k) **पंचाग्नि तप किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(l) **मेघमाली असुर ने भगवान पार्श्वनाथ को डराने के लिए किस-किस का रूप बनाया?**

.....

.....

(m) **विश्वसेन..... शान्ति कहो। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(n) **त्रिपृष्ट ..... कीले डार है। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **सामायिक में लगने वाले काया के कोई छः दोषों के नाम अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **कायोत्सर्ग में कितने आगार हैं? उनके नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **सामायिक के उपकरण कौन-कौन से हैं? नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **सुविहिं च फुप्फदंतं सीअल सिज्जंस वासुपूज्जं च। विमलमणंतं च जिणं धम्मं संतिं च वंदामि।। उपर्युक्त पाठांश का हिन्दी में अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **सरणदयाणं, जीवदयाणं, बोहिदयाणं, धम्मदयाणं, धम्मदेसयाणं, धम्मनायगाणं, धम्मसारहीणं, धम्मवर चाउरंत चक्कवट्टीणं- शब्दों का हिन्दी में अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **वचन के कोई पाँच दोषों के नाम अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **निर्जरा तत्त्व के 12 भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **अधर्मास्तिकाय को पहचाने जाने वाले पाँच बोल समझाकर लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **लोकान्तिक देवों के नौ भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **भगवान पार्श्वनाथ के सम्यक्त्व प्राप्ति के बाद के दस भवों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **सोतेली माँ ..... धधकते अंगार हैं। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **महापापी के अंतिम छः भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **यतना से होने वाले कोई तीन लाभ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **'क्रोध' ज्ञान-प्राप्ति का बाधक कारण है, कैसे? समझाइए।**

.....

.....

.....

.....